in the plant as well as in the security house that could be easily heard up to the fire station.

(ii) Use of other flammable materials is avoided in the area.

(iii) The quantities of fire extinguishers have been reviewed in detail and have been increased to suit the needs.

(iv) Fire drills are arranged to all the employees regularly to familiarise them with the fire fighting operations.

Besides the above, the recommendations made by the Nuclear Fuel Complex Safety Committee have also been implemented.

**डा० लोकेश चन्द्र** : क्या मंत्री जी बताने की कृपा करेंगे कि जो मार्च 1979 में आग से 20 लाख की हानि हुई उस की कितनी पूर्ति हुई और उस के बाद जो उत्पादन की गति थी, प्रोडक्टिविटी थी वह कितनी बढ़ायी गयी ?

**श्री सी० पी० एन० सिंह** : इस प्रश्न में यह पूछा गया था कि इस में कितना नुकसान हुआ और क्या सिफारिशें थीं ताकि यह आइन्दा न हो । तो इस वक्त मैं इतना ही कह सकता हूं कि इस वक्त जो नुकसान हुआ था वह पूरा कर दिया गया है और उत्पादन क्षमता जितनी थी उस को भी मेन्टेन किया गया क्योंकि आल्टरनेटिव अरेंजमेंटस इस के कर लिये गये ।

MR. CHAIRMAN: Now, Question No. 144.

Mr. Dinesh Goswami. Not here.

Yes, Mr. Kalp Nath Rai.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Kalp Nath Rai.

**Supply of Jet fighters and missiles by China to Pakistan**

*144. SHRI DINESH GOSWAMI:
SHRI KALP NATH RAI:†

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that China is supplying latest jet fighter aircrafts and modified ground-to-air missiles to Pakistan;

(b) whether this arms supply by China to Pakistan has increased the danger of Pakistani attack on Indian territory; and

(c) the steps taken by Government of India to strengthen country's defence forces in the light thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): (a) Government have seen Press Reports to this effect.

(b) and (c) Government of India constantly review all developments including unusual military build-up in their neighbourhood, to assess their likely impact on the security and defence preparedness of India and our Defence Planning takes care of such contingencies.

**श्री कल्प नाथ राय** : श्रीमन्, क्या सरकार यह बताने की कृपा करेगी कि अभी चाइना और पाकिस्तान ने न्यूक्लियर कैपेबिलिटी बहुत डेवलप कर ली है इस तरह की खबरें अखबारों में आई हैं और कोई भी मिलिटरी ऐडवैंचर हिन्दुस्तान के खिलाफ वह कर सकते हैं ; तो इस सम्बन्ध में हमारी सरकार उन डेन्जर्स के प्रति कितनी जानकारी रखती है और उनके मिलिटरी ऐडवेंचर्स का मुकाबला करने के लिए क्या कदम उठा रही है ?

**श्री शिवराज वी० पाटिल** : सभापति महोदय, सवाल का एक हिस्सा तो न्यूक्लियर वैपन्स के बारे में है, उसका कोई सम्बन्ध इस प्रश्न से नहीं आता है । दूसरा सवाल आपने पूछा है कि चाइना पाकिस्तान को मदद कर रहा है, उस

सवाल का जवाब हमने दिया है कि हमने न्यूजपेपर्स में पढ़ा है और हमारे आजू-बाजू में जो कुछ होता है उसको ध्यान में रखकर हम तैयारी रखते हैं ।

**श्री नागेश्वर प्रसाद शाही** : श्रीमन्, मंत्री जी ने यह कहा कि सरकार ने अखबारों की रिपोर्टिंग देखी है । हम लोग अखबारों की रिपोर्टिंग से ज्यादा प्रभावित नहीं हैं बल्कि आपकी सरकार की जानकारी क्या है, आपकी इंटेलिजेंस एजेन्सीज की जानकारी क्या है चीन पाकिस्तान को हथियारों से पाट रहा है कि नहीं ? चीन के माध्यम से हथियार अमरीका से आ रहे हैं । पहले भी जब कभी पाकिस्तान ने हिन्दुस्तान पर हमला किया है, अमरीकी हथियार तुर्की और ईरान के द्वारा पाकिस्तान पहुंचे है । आज वह हथियार चीन के माध्यम से पाकिस्तान पहुंच रहे है । यह जानकारी सरकार को आपके इंटेलिजेंस ने दी है कि नहीं और यदि दी है तो इसके सम्बन्ध में सरकार क्या कदम उठा रही है ? एक तरफ चीन की दोस्ती की बात चल रही है और दूसरी ओर चीन पाकिस्तान को हथियारों से पाट रहा है तो दोनों में समन्वय क्या है, यह मेरा सवाल है ?

**श्री शिवराज वी० पाटिल** : सभापति महोदय, हमने तो यहां पर बताया है कि जो कुछ भी हमारे इर्द-गिर्द होता है उसको ध्यान में रखकर हम तैयारी करते हैं और जो सरकार के मालूमात के मुताबिक है आपका सवाल, वह बताना देश के हित में है या नहीं यह सोचना पड़ता है । पेपर में जो कुछ आया वह भी आपको मालूम है ।

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Sir, it is not in the public interest to conceal the fact.

DR. RAFIQ ZAKARIA: It is for the Government to decide...

**श्री शिवराज वी० पाटिल** जो कुछ भी खतरा उसकी वजह से हमारे यहां होना संभव है उसको ध्यान में रखते हुए पूरी-पूरी तैयारी कर रहे हैं ?

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Sir I seek your protection क्या यह देश की जनता के हित में नहीं है बताना कि पाकिस्तान क्या कर रहा है ?

MR. CHAIRMAN: I think certain discretion must be left

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: That is all right. But this is not discretion. This is concealment of the fact from the country.

SHRI OM MEHTA: No, no.

DR. RAFIQ ZAKARIA: It is a matter concerning defence and it is such a delicate subject.

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Mr. Zakaria, do not intervene

DR. RAFIQ ZAKARIA: What "don't intervene"? It is a matter concerning defence.

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Mr. Zakaria, do not intervene.

श्रीमन् यह छिपाना कहां तक उचित है ?

MR. CHAIRMAN: You see, some measures of discretion must be there

**श्री नागेश्वर प्रसाद शाही** : श्रीमन्, मैं आपसे अपील करता हूं कि क्या यह तथ्य कि चीन से हथियार पाकिस्तान को आ रहे हैं, इस तथ्य को डिस्क्लोज करना पब्लिक इंटरैस्ट के खिलाफ होगा ? अगर होगा तो हम नहीं पूछेंगे ।

**श्री सभापति** : मेरे ख्याल मे हरेक चीज का जवाब इस मामले में लेना शायद कंट्री के फायदे के खिलाफ है ।

**श्री जे० के० जैन :** सभापति जी, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि अभी हाल में हमारी एक डिफेंस टीम कुछ वेस्टर्न कंट्रीज में गई थी तो क्या वायु सेना को मजबूत करने के लिये वहां पर उस टीम ने किसी देश के साथ बातचीत की है ?

**श्री शिवराज वी० पाटिल :** इसका इस सवाल से कोई संबंध नहीं है ।

*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: It really does not arise out of this question. I rule it out.

SHRI J. K. JAIN: Please see part (c) of the question:

"the steps taken by Government of India to strengthen country's defence forces in the light thereof."

MR. CHAIRMAN: It is too far away. Mr. Pande.

**श्री नरसिंह नारायण पाण्डेय :** क्या मंत्री महोदय को इस बात का पता है कि इंडिया के चारों तरफ खतरे बढ़ रहे हैं और नये-नये तरह के मिसाइल्ज चाइना या अमेरिका या दूसरे देशों से इकट्ठे किये जा रहे हैं जिससे हमारे बार्डर पर ऐसी स्थिति पैदा हो सके कि हमारी सुरक्षा को खतरा हो । इन चीजों को देखते हुए क्या माननीय मंत्री जी कोई विशेष कदम उठाने जा रहे हैं ? जो आधुनिक हथियार हैं, जो इन्टर बैलेस्टिक मिसाइल्ज के तौर पर हैं और जो हजारो मील दूर तक मार कर सकते हैं ऐसे हथियार जो सप्लाई किये जा रहे हैं पाकिस्तान को और दूसरी जगहों को, क्या इसके बारे में मंत्री महोदय ने कोई विचार किया और इसके बारे मे कदम उठाया जिससे कि इन चीजों को, इन खतरों को हम दूर कर सकें ?

**प्रधान मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) :** यह तो जाहिर है कि खतरे बढ़ रहे हैं। यह भी माननीय सदस्यों को मालूम है कि पाकिस्तान के पास अपनी शक्ति नहीं है कि यह सब हथियार अपने देश में बनाये । इसलिये अगर उनके पास हथियार जमा हैं तो यह भी संभव है कि बाहर से आ रहे हैं । किस तरफ से आ रहे हैं उसके बारे में भी समय-समय पर कुछ जानकारी हमें मिलती है । लेकिन इंटेलिजेंस रिपोर्ट से जो जानकारी हमें मिलती है उस सब को बाहर करना हमें उचित नहीं लगता । लेकिन जो खतरे बढ़ रहे हैं उनके लिये हमें बहुत ही होशियार और विजिलेंट रहना है, इसमें कोई शक नहीं है । जहां तक हमारी शक्ति है, साधन हैं उस हिसाब से हम पूरी कोशिश में लगे हैं । बाहर से कुछ मिलता है वह भी लेते हैं लेकिन सबसे पहले तो हम देश में जो कुछ बना सकते हैं उसको बढ़ाने के लिये अपने जो साइंटिस और डिफेंस प्रोडेक्शन के लोग है उनको पूरा प्रोत्साहन देना है । हर चीज जो हम चाहते हैं वह हम यहां बना सके उसके लिये हमारे पास उतना रुपया नहीं है साधन नहीं हैं लेकिन हम बिल्कुल इस खतरे को महसूस कर रहे हैं और कोशिश में हैं कि पूरी तरह इसको दूर करें ।

**श्री सभापति :** आखिरी क्वेश्चन, श्री रामेश्वर सिंह ।

**श्री हुक्मदेव नारायण यादव :** पीछे बेंच पर भी राज्य सभा के सदस्य बैठे हुए हैं । हम कोई हल जोतने नहीं आए हैं । *(Interruptions)*

**श्री सभापति :** हर सवाल पर हर सदस्य सवाल नहीं पूछ सकता है ।

*(Interruptions)*

**श्री रामेश्वर सिंह** : माननीय प्रधान मंत्री जी ने जो अभी उत्तर दिया है उसी संदर्भ में मैं यह जानना चाहता हूं कि अगर बाहरी खतरों से मुल्क को खतरा है तो क्या प्रधान मंत्री जी को इस बात की जानकारी है कि खुफिया विभाग में कुछ ऐसे तत्व के लोग है जिनका विदेशों में अपना अड्डा बना हुआ है और उन अड्डों के द्वारा सरकार में जो लोग मंत्री के पद पर है उनसे भी उनका संबंध है। वे तत्व जिनका नाम मैं ले रहा हूं.... (*Interruptions*) बोलने की जरूरत नहीं है। ये जो स्वामी, ब्रह्मचारी और तांत्रिक लोग है इनके विभिन्न देशों में अड्डे बने हुए हैं... (*Interruptions*) आप जानते हैं, अभी श्री धीरेन्द्र ब्रह्मचारी ने नेपाल में जमीन खरीदी है। यह जमीन 50 लाख रुपये की खरीदी है ... (*Interruptions*)

SHRI VIKRAM MAHAJAN: This should be expunged from the proceedings.

MR. CHAIRMAN: Please sit down.

**श्री रामेश्वर सिंह** : चेयरमैन साहब, आप हमारी रक्षा कीजिये। यह सवाल देश के हित में है। उनसे मैं ज़्यादा मुल्क का वफादार हूं। उनसे ज्यादा मुल्क के प्रति मेरी वफादारी है ....

(*Interruptions*)

SHRI SHIV SHANKAR: He cannot be allowed to proceed.

MR. CHAIRMAN: Shri Rameshwar Singh, please sit down. Everybody sit down.

AN HON. MEMBER: The supplementary should be expunged from the proceedings.

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Expunction cannot take place unless there is a definitely unparliamentary word. I shall take that into consideration what should be expunged.

SHRI VIKRAM MAHAJAN: It must be expunged.

(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Just a minute. When I am standing, nobody shall speak and nothing shall be recorded while I am on my feet. This sort of thing would not go on with me. I give the directions to the Reporters. The moment you see me on my feet, please record only my words and nobody's. Now, Mr. Rameshwar Singh, you have taken that very far. I don't think the Minister is called upon to answer everything which you alleged in the House.

**श्री रामेश्वर सिंह** : सभापति महोदय, आपने हमको इजाजत दी है। मैंने सवाल पूछा है। कोई गलत प्रश्न नहीं पूछा है। प्रधान मंत्री को और सदस्यों को ..

(*Interruptions*)

SHRI SHIV SHANKAR: Mr. Chairman, Sir...

**श्री रामेश्वर सिंह** : श्रीमन्, हम अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। कोई ऐसे शब्द इस्तेमाल नहीं करेंगे जो प्रधान मंत्री और सरकार की प्रतिष्ठा के खिलाफ हों। मगर यह मेरा हक है...

(*Interruptions*)

DR. RAFIQ ZAKARIA: Sir, you must listen to the Law Minister.

SHRI PILOO MODY: The Question Hour is not for Ministers.

SHRI SHIV SHANKAR: My submission is, once you have given a verdict that it is unparliamentary, I request you to expunge it.

MR. CHAIRMAN: I shall consider it.

SHRI SHIV SHANKAR: You are pleased to observe that it is... (*Interruptions*)

SHRI PILOO MODY: He has not said anything of the sort.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: He cannot make baseless allegations.

MR. CHAIRMAN: I will see and expunge it if required. Please have that transcribed immediately and bring it to my Chamber.

श्री रामेश्वर सिंह : मेरी बात ध्यान से सुनिये । ये तांत्रिक और संयासी लोग मुल्क के बाहर . .

MR. CHAIRMAN: I know how to conduct the House. I don't need your assistance. Please sit down. You have no business to interfere when I am talking. So far as this question is concerned, it shall be passed over now. Now, we will pass over to question No. 145. Mr. Rameshwar Singh, you are bringing in extraneous matters and they disturb the tempo of the House, the time of the House and take away the time of the nation. We are here to do national work and not this kind of a thing. (*Interruptions*). Now, Question No. 145.

Mr. Rameshwar Singh, you bring in other entities into the discussion. (*Interruptions*). No. My ruling is do not take down anything that Mr. Rameshwar Singh is saying. He is challenging me and I do not like these challenges. I rule that the question which Mr Rameshwar Singh asked went outside the limits of the original question and, therefore, it shall not be answered.

Now. Question No. 145.

*145. [*The questioner (Shri T. Basheer) was absent. For answer vide cols. 33 and 34.. infra*].

*146. [*Transferred to the 3rd December, 1980*].

**Excess capacity created by Multinational Corporations**

*147. SHRI SADASHIV BAGAITKAR:

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI:†

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether any assessment has been made by Government in respect of the excess capacities created by the Multinational Corporations and big houses in certain sectors and the underutilisation of the licensed capacities by them in the other sectors;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have legalised the excess capacities created by the Multinationals and big houses;

(d) if so, the reasons therefor and its likely impact on the small sector in so far as production of the reserved items is concerned; and

(e) what steps are contemplated by Government in respect of the undertakings that have not even installed their licensed capacities or are underutilising the capacities with names of such undertakings?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) to (e) A statement is laid on the Table of the House.

**Statement**

(a) and (b) While no specific exercise has been carried out by Government to determine excess capacities created by MRTP/FERA houses or underutilisation of licensed capacities, production by some undertakings, including MRTP/FERA units, has not been in line with licensed capacity. With a view to stimulating industrial production, to sub-serve the national interest, especially in crucial areas, Government, in 1975, notified procedures for recognising installed productive capacity. In respect of MRTP/

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Nageshwar Prasad Shahi.